

Vermicomposting Unit



GPS Map Camera

Jabalpur, Madhya Pradesh, India

5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines, Jabalpur,
Madhya Pradesh 482001, India

Lat 23.162515°

Long 79.970136°

30/05/23 03:24 PM GMT +05:30





शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर

प्राणी शास्त्र एवं जैव तकनीकी विभाग

द्वारा संचालित व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत तैयार की गई

वर्मी कंपोस्ट

मूल्य 40 ₹ 1 किलो
 मूल्य 80 ₹ 2 किलो
 मूल्य 200 ₹ 5 किलो



OPPO F17 Pro • © N...



GPS Map

Jabalpur, Madhya Pradesh

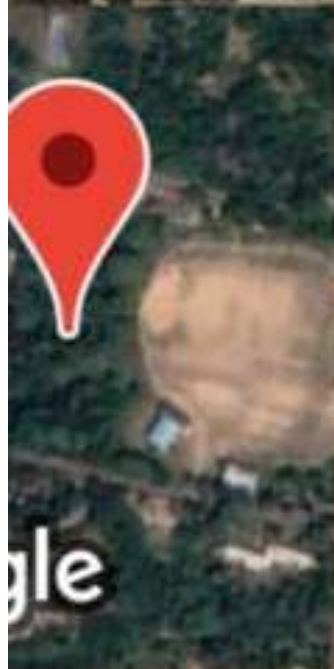
5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony,

Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482


Lat 23.162657°

Long 79.9702°

19/01/23 01:11 PM GMT +05:30





 GPS Map Camera

Jabalpur, Madhya Pradesh, India

5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India

Lat 23.162362°


Long 79.970013°

19/01/23 01:27 PM GMT +05:30

14





 GPS Map Camera

Jabalpur, Madhya Pradesh, India

5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil
Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India

Lat 23.162643°

Long 79.969708°


19/01/23 01:27 PM GMT +05:30

15



Google



 GPS Map Camera

Jabalpur, Madhya Pradesh, India

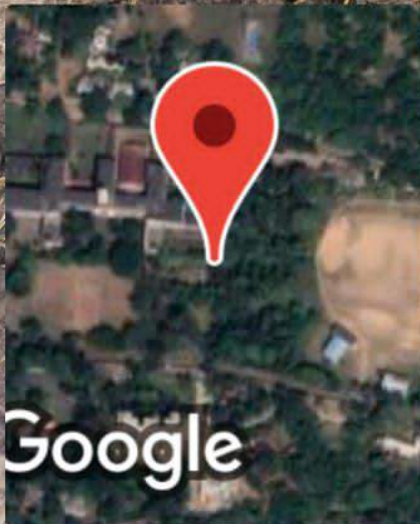
5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India

Lat 23.162728°

Long 79.969786°

19/01/23 01:27 PM GMT +05:30

17





GPS Map Camera

Jabalpur, Madhya Pradesh, India

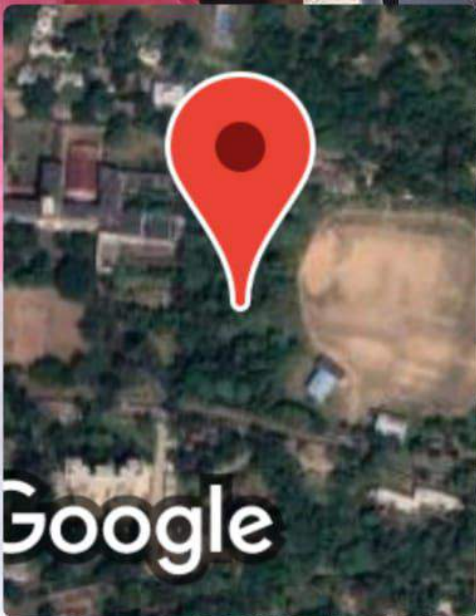
5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines,
Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India

Lat 23.162568°


Long 79.970261°

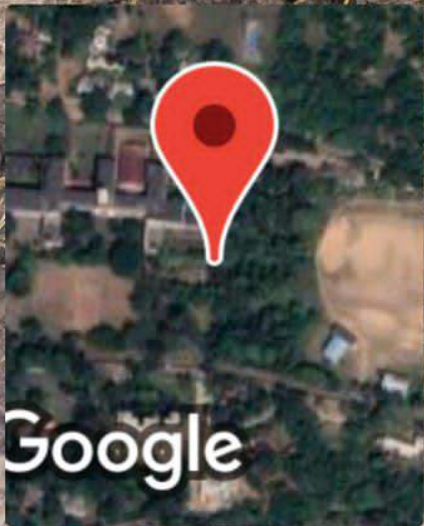
19/01/23 01:29 PM GMT +05:30

28





 GPS Map Camera



Jabalpur, Madhya Pradesh, India

5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India

Lat 23.162728°

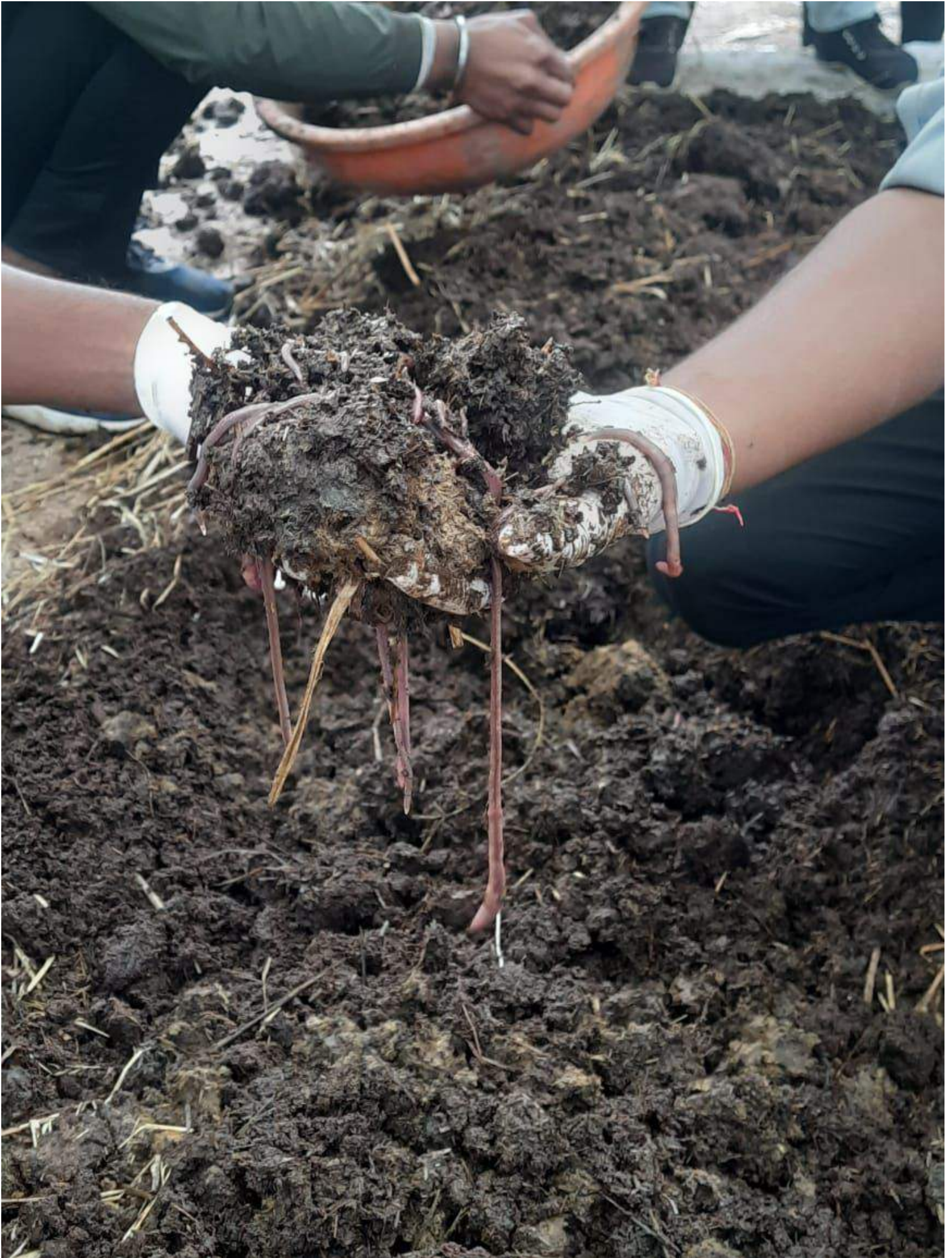
Long 79.969786°

19/01/23 01:27 PM GMT +05:30

17













वोकेशनल कोर्स

स्टूडेंट्स ने तैयार किया वर्मी कम्पोस्ट



जबलपुर @ पत्रिका. छात्रों की तीन माह की मेहनत रंग लाई। उन्होंने वोकेशनल कोर्स के अंतर्गत वर्मी कम्पोस्ट तैयार किया। शासकीय साइंस कॉलेज के प्राणीशास्त्र और तकनीकी विभाग द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रम वर्मी कम्पोस्ट का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत स्टूडेंट्स

को वर्मी कम्पोस्ट बनाने का तकनीकी ज्ञान दिया गया। विद्यार्थियों ने वर्मी कम्पोस्ट बनाने के लिए पार्क में दो पिट में गोबर, केंचुआ, पत्तियों को तीन माह तक रखा। विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. शंपा जैन, डॉ. वर्षा अगलावे, डॉ. अंकिता बोहरे, डॉ. प्रीति खरे, डॉ. मनीषा सक्सेना ने सहयोग किया।

छा

क



ज

म

व

स

क

दु

वि

छ

पढ़ाई के दौरान खाद बनाना सीखा और शुरू कर दिया व्यापार

प्राध्यापक से लेकर विद्यार्थी तक बने ग्राहक, घर के गार्डन में उपयोग कर रहे आर्गेनिक खाद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत व्यावसायिक पाठ्यक्रम का लाभ विद्यार्थियों को मिलने लगा है। पढ़ाई के साथ ही विद्यार्थी कर्मों के साधन के रूप में भी इसे देख रहे हैं। शास्त्रीय सहस्र कालेज के प्राणी शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने वर्मी कंपोस्ट खाद बनाने सीखकर उसे बाजार में बेचने सफल बना दिया। अब इस खाद को विभाग विक्रय कर रहा है। इसकी आगुदारी से विभाग इस काम को और आगे बढ़ाएगा। धार, मेहनत का प्रतिफल मिलने से विद्यार्थी भी उत्साहित हैं। कालेज के प्राध्यापकों से लेकर विद्यार्थी जो गार्डन में अब तक रासायनिक खाद का इस्तेमाल करते थे वे इस वर्मी कंपोस्ट को खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।



वर्मी कंपोस्ट के साथ प्राचार्य डा. तनुजा चौधरी, डा. सुनीता शर्मा एवं डा. आरके श्रीवास्तव। • नईदुनिया



वर्मी कंपोस्ट बनाते साईंस कालेज के विद्यार्थी। • नईदुनिया

प्राणी शास्त्र विभाग की डा. सुनीता शर्मा ने बताया कि करीब 250 किलो वर्मी कंपोस्ट कालेज में विद्यार्थियों ने तैयार की है जिसे बेचा जा रहा है। एक, दो और पांच किलो के पैकेट तैयार कर इसका विक्रय किया जा रहा है। एक किलो 40 रुपये में और पांच किलो खाद 200 रुपये में बेची जा रही है। विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने में विभागाध्यक्ष डा. सुनीता शर्मा के साथ विभाग की प्राध्यापक डा. शंषा जैन, डा. वर्षा अग्रवाल, डा. अंकिता बोहरे, डा. प्रीती खरे एवं डा. मनोषा सक्सेना तथा कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा है।

डा. सुनीता शर्मा ने बताया कि प्राणीशास्त्र एवं तकनीकी विभाग द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रम वर्मी कंपोस्ट संचालित किया जा रहा है। पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को वर्मी कंपोस्ट बनाने का तकनीकी का ज्ञान देने के उद्देश्य से कालेज के वानस्पतिक उद्यान में वर्मी कंपोस्ट तैयार की गई। उन्होंने बताया कि बोंके रोड के मार्गदर्शन में वर्मी कंपोस्ट यूनिट स्थापित की गई। प्राचार्य डा. तनुजा चौधरी ने विभाग से वर्मी कंपोस्ट के विक्रय को बढ़ावा देने के लिए सबसे पहले खुद यह खाद खरीदी।

पौधों के लिए क्यों जरूरी

प्राणी शास्त्र विभाग की डा. शंषा जैन ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट में मिट्टी को उपजाऊ बनाने वाले सूक्ष्म जीवों की बहुत अधिक मात्रा होती है। इससे मिट्टी उपजाऊ बनती है साथ ही इसमें नाइट्रोजन, फास्फेट एवं माइक्रोन्यूट्रेंट की मात्रा भी अधिक पाई जाती है जो पौधों के पोषण

के लिए आवश्यक है। वर्मी कंपोस्ट डालने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है उसमें पानी को रोकने की क्षमता भी बढ़ती है। इसके विपरीत इसके विपरीत रासायनिक खाद डालने से मिट्टी के अंदर पाए जाने वाले अच्छे जीवाणु समाप्त हो जाते हैं एवं मिट्टी की गुणवत्ता भी कमजोर होती है।



वर्मी कंपोस्ट तैयार करते विद्यार्थी। • नईदुनिया

कैसे बनाई खाद

डा. सुनीता शर्मा के मुताबिक वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए सर्वप्रथम मिट्टी बनाने की जरूरत होती है। जिसकी लंबाई 16, चौड़ाई चार व गहराई दो फीट होती है। इसकी दीवारें पक्की होती हैं एवं नीचे कच्ची जमीन होती है। ऊपर बूझ एवं पानी से बचने के लिए एक शंड़ बनाया जाता है। गड़दे में पहले सूखी पतियों को बिछाया जाता है फिर गोबर की परत डाली जाती है। पुनः पतियों को या सखियों के छिलके, आर्गेनिक वेस्ट को डाला जाता है। इसके बाद पुनः गोबर की परत बिछाई जाती है एवं उसके ऊपर कैचुर छोड़े जाते हैं। इसके ऊपर घान का पुआल बिछाया जाता है तथा सबसे ऊपर बोरी को डाल कर ढंक दिया जाता है। इस दौरान नमी एवं तापमान का ध्यान रखना आवश्यक होता है। इस पद्धति से तीन माह में गुणवत्तायुक्त खाद का निर्माण हो जाता है। वर्मी कंपोस्ट को तैयार करने में व्यावसायिक पाठ्यक्रम वर्मी कंपोस्ट के विद्यार्थियों ने कार्य किया। उन्होंने कालेज के परिसर से सूखी पतियां एकत्रित की एवं गड़दों में भरी साथ ही गोबर डालने का काम कैसे डालने का काम सभी कार्य विद्यार्थियों के द्वारा संपन्न करवाया गया ताकि विद्यार्थी इसे बेहतर तरीके से समझ सकें।